नाम - राहुल गोयल
पेपर - II (खण्ड - अ और खण्ड - ब)
दिनांक - २५-०२-२०२२

प्रश्न 1 1

पू./M =03
प्राप्तांक

उत्तर भारतीय संविधान देश में त्रिस्तरीय शासन की व्यवस्था करता है। शीर्ष पर केन्द्र सरकार, मध्य में राज्य सरकार और अंत में स्थानीय सरकार।

प्रश्न 1 2

पू./M =03
प्राप्तांक

उत्तर मौलिक कर्तव्यों को देशभक्ति की भावना बढ़ाने व राष्ट्र की एकता बनाये रखने के लिए देश के नागरिकों के नैतिक दायित्वों के रूप में परिभाषित कर सकते हैं

प्रश्न 1 3

पू./M =03
प्राप्तांक

उत्तर न्यायपालिका द्वारा कार्यपालिका व विधायिका के कार्यों में हस्तक्षेप किया जाये तो इसे न्यायिक सक्रियता कहा जाता है।

प्रश्न 1 4

पू./M =03
प्राप्तांक

उत्तर भारतीय निर्वाचन आयोग की आदर्श चुनाव आचार संहिता राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों के लिए बनायी गई एक नियमावली है।

प्रश्न 1 5

पू./M =03
प्राप्तांक

उत्तर क्षेत्रीय दल वे होते हैं जो क्षेत्रीय मुद्दों व कारणों पर गठित होते हैं ये प्रायः राष्ट्रीय दल से गठबंधन कर शासन करते हैं जैसे अकाली दल

प्रश्न 16

उत्तर 'नार्को आतंकवाद' आतंकवाद के प्रकार व साधन के मध्य की श्रेणी है इसमें मादक पदार्थों का अवैध व्यापार होता है।

प्रश्न 17

उत्तर उपभोक्ता फोरम उपभोक्ता के विवादो को निपटाने वाला विशेष न्यायालय है। इसके तीन स्तर है केन्द्रीय, राज्य व जिला।

प्रश्न 18

उत्तर राजनीतिक सहभागिता से आशय राजनीतिक व्यवस्था मे विभिन्न स्तरों पर नागरिको की सम्पूर्ण भागीदारी से है।

प्रश्न 19

उत्तर जब किसी कोर्ट केस का मास मीडिया स्वयं विश्लेषण, गवाही व नतीजा बताने लगे तो इसे मीडिया ट्रायल कहा जाता है।

प्रश्न 20

उत्तर जेपी आंदोलन पटना से 1974 में जय प्रकाश नारायण ने शुरू किया था जिसका लक्ष्य संपूर्ण क्रांति था।

B3 Branches - • Tilak Nagar • Bhanwarkua • Vishnupuri (In-front of i-bus stop)

प्रश्न 1 11

पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर गांधी जी के शुरुआती आंदोलन → 1893 में द. अफ्रीका में असहयोग आंदोलन (रंग भेद के विरुद्ध) भारत में चम्पारण (1917), खेड़ा सत्याग्रह 1918।

प्रश्न 1 12

पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर सत्ता के स्त्रोत – कानून, परंपरा और व्यायोजन हैं।

प्रश्न 1 13

पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर POCCC फेनरी फेसोल के शास्त्रीय सिद्धांत से सम्बंधित है जिसमे P – प्लानिंग, O – ऑर्गेनाइसिंग, C – कमांडिंग, C – कोर्डिनेशन व C – कन्ट्रोलिंग है।

प्रश्न 1 14

पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर उपलब्ध संसाधनों का दक्षतापूर्ण तथा प्रभावपूर्ण उपयोग करते हुए लोगों में समन्वय कर संगठन/संस्था के लक्ष्यो को प्राप्त करन, प्रबंधन है।

प्रश्न 1 15

पू./M =03 प्राप्तांक

उत्तर ऐसे संगठन जिनका निर्माण व्यवस्थित और सुनियोजित ढंग से न होकर मनोवैज्ञानिक ढ़ग से होता है, अनौपचारिक संगठन कहलाते है।

प्रश्न 2 | 1

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर भारतीय संविधान का वैधानिक पक्ष संघात्मक व्यवस्था स्वीकार करता है, परन्तु व्यवहारिक पक्ष जैसे एकल संविधान, एकल नागरिकता, न्यायपालिका, आपातकाल जैसे विषय इसके एकात्मक स्वरूप को दर्शाते हैं। परन्तु संविधान की सर्वोच्चता संविधान की कठोरता तथा शक्ति विभाजन का सिद्धान्त संघात्मक व्यवस्था का उदाहरण है।

अंतिम रूप में कहा जा सकता है कि भारतीय संविधान एकात्मक व संघात्मक का मिश्रण है जिसमें सैद्धान्तिक दिशा संघवाद है व व्यवहारिक लक्ष्य एकात्मक।

प्रश्न 2.2

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर संविधान में संविधान संशोधन की तीन प्रक्रियाएं वर्णित हैं -

1) साधारण बहुमत से → इसमे संसद साधारण बहुमत से संविधान संशोधन कर सकती है। उदाहरण - अनुच्छेद -2, 3, 11 आदि।

2) विशेष बहुमत से → इसमे सदन के बहुमत तथा उपस्थित व मतदान करने वालों का 2/3 से प्रस्ताव पास कर संविधान संशोधन होता है।

3) विशेष बहुमत और आधे से अधिक राज्यों के अनुसमर्थन से संविधान संशोधन किया जाता है यह संशोधन की सबसे जटिल प्रक्रिया है।

प्रश्न 2.3

उत्तर मूल अधिकार संविधान द्वारा प्रदत्त वे अधिकार है जो व्यक्ति के जीवन के लिए मौलिक और अनिवार्य है और जिन अधिकारों में राज्य द्वारा हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता । यह व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए आवश्यक है । लोकतंत्र में सभी नागरिको को बिना किसी भेद-भाव के मूल अधिकार दिये जाते है। ये देश की मूल विधि (संविधान) में ~~वि~~ वर्णित होने के कारण मूल अधिकार कहलाते है। ~~इनमें सम्म~~

प्रश्न 2.4

उत्तर किसी 'संघ' में विभिन्न राज्यों द्वारा आर्थिक-सामाजिक विकास हेतु कानून, प्रशासन एवं वित्त क्षेत्र में एक-दूसरे से की गई स्वस्थ प्रतिस्पर्धा 'प्रतिस्पर्धी संघवाद' कहलाती है।

इस अवधारणा के अन्तर्गत विभिन्न राज्य अपना विकास बढ़ाने तथा अपने नागरिकों को उचित मूल्यों पर वृहद स्तर की सेवाएं प्रदान करने हेतु किसी एक निश्चित राष्ट्रीय नीति अपनाने की बजाए अपनी विशिष्टता के आधार पर भिन्न-भिन्न नीतियों का निर्माण करते है।

Each question is of 05 marks. All questions are compulsory. ...question will be 50 words / 5 to 6 lines.

प्रश्न 2.5

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर

प्रश्न 2.6

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर म.प्र. राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के निम्न कार्य हैं-

1) ओबीसी के सांवैधानिक संरक्षण से सम्बंधित सभी मामलो का निरीक्षण व अधीक्षण करना तथा क्रियान्वयन की समीक्षा करना।
2) उनके अधिकार उल्लंघन की शिकायतो की जाँच करना।
3) उनके विकास से सम्बंधित योजनाओं के निर्माण में सरकार को सुझाव देना।
4) ओबीसी के प्रगति व मूल्यांकन की रिपोर्ट राज्यपाल को देना।
5) उनके कल्याण हेतु राष्ट्रपति द्वारा सौंपे कार्य करना।

प्रश्न 2.7

उत्तर गांधी जी के शिक्षा सम्बंधी विचार —

1) शिक्षा ज्ञान के बजाये आचरण आधारित होनी चाहिए।
2) शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति का सर्वांगीण विकास करना होना चाहिए।
3) प्रारंभिक शिक्षा मातृभाषा में दी जानी चाहिए
4) प्रारंभिक शिक्षा (प्रथम सात वर्ष) नि:शुल्क दी जानी चाहिए।
5) शिक्षा व्यक्ति को स्वावलंबी बनाने वाली होनी चाहिए।

प्रश्न 2.8

उत्तर जयप्रकाश नारायण के राजनीतिक निम्नलिखित हैं-

1) कल्याणकारी राज्य की धारणा, नौकरशाही हितो का पोषण
2) राज्य को कम शक्तियाँ दी जानी चाहिए।
3) लोकतंत्र की सफलता के लिए जनता में नैतिक मूल्यों व आध्यात्मिक मूल्यों का विकास महत्वपूर्ण है।
4) दलविहीन लोकतंत्र के समर्थक।
5) लोकनीति को राजनीति का विकल्प माना है
6) राज्य के शासन की जगह जनता का शासन
राज्य के कानून की जगह जनता का कानून ही लोकनीति का आधार माना।

प्रश्न 2.9

पू./M =05
प्राप्तांक

उत्तर लोकप्रशासन सरकार का वह भाग है जो कार्य आम जनता के हितार्थ काम करता है। सैद्धान्तिक रूप से लोकप्रशासन एक सार्वभौमिक व सर्वव्यापक अवधारणा है, जिसके द्वारा जनता समाज व राष्ट्र की समस्याओं का समाधान किया जाता है। वही एक क्रिया के रूप मे लोकप्रशासन सरकार का स्वामित्व निर्देशन व नियंत्रण है। लोक प्रशासन समय व परिस्थितियो के साथ सामन्जस्य बनाते हुए अपने मे परिवर्तन करता है जिससे उसकी प्रासंगिकता बनी रहे।

प्रश्न 2.10

पू./M =05
प्राप्तांक

उत्तर लोकप्रबन्ध का सम्बंध प्रशासनिक / सार्वजनिक संगठनो के प्रबंधीय कार्यों से है।
व्यवहार मे, सार्वजनिक प्रबंधन का उद्देश्य सार्वजनिक संगठनों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता मे सुधार करना है। लोक प्रबंधक लोक सेवाओं को लागू करने के लिए लोकनीति की व्याख्या उस तरीके से करते जिससे लोगों के हितों के लिए सबसे वांछनीय परिणाम प्राप्त करने की उम्मीद की जा सके।

प्रश्न- 3 1

पू./M =11

प्राप्तांक

उत्तर-

भारतीय संविधान में समय-समय पर कई संविधान संशोधन किये गये है जिनमे से कुछ महत्वपूर्ण संविधान इस प्रकार है —

1) प्रथम संविधान संशोधन - 1951 → संपत्ति के अधिकार को सीमित कर भूमि सुधारो को न्यायिक समीक्षा से मुक्त करने के लिए नौवी अनुसूची जोड़ी गयी।

2) 7वाँ संविधान संशोधन 1956 → राज्यों का पुनर्गठन, चार श्रेणियों मे बंटे राज्यों के वर्गीकरण को समाप्त करते हुए उन्हे राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों मे बाँटा।

3) 42 वाँ संविधान संशोधन 1976 → इसे 'लघु संविधान' की संज्ञा दी जाती है। इसके माध्यम से प्रस्तावना मे तीन महत्वपूर्ण शब्द समाजवादी,

पंथ निरपेक्ष तथा अखण्डता जोड़े गए साथ ही संविधान में एक नया अनुच्छेद 51(क) जोड़कर मौलिक कर्त्तव्यों को शामिल किया।

4) 44 वाँ संविधान संशोधन - 1978 → इसके द्वारा अनु० 352 के तहत राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा का आधार 'आंतरिक अशांति' को हटाकर सशस्त्र विद्रोह किया गया, जिसके लिए मंत्रिमंडल की लिखित सलाह को अनिवार्य किया गया। आपातकाल के दौरान अनु० 19 का निलंबन सिर्फ युद्ध या वाह्य आक्रमण की दशा में होगा। अनुच्छेद 359 के आधार पर अनु० 20 व 21 का निलंबन नहीं होगा। संपत्ति के मौलिक अधिकार को अनु० 300क के तहत कानूनी अधिकार बनाया।

5) 73 वां तथा 74 वां संविधान संशोधन - 1992 स्थानीय शासन की संस्थाओं को वैधानिक दर्जा दिया गया।

6) 84 वाँ संविधान संशोधन - 2001 - लोकसभा व राज्य विधानसभाओं की सीटों की संख्या 2026 तक कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा

mentioned against the answer. ... option for which the candidate is answering should be ... words. Each question is of 11 marks. All questions are compulsory.

3 2

पू./M =11

प्राप्तांक

संविधान के अनुसार राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद व विधान मंडलो के चुनावों के लिए निर्वाचक नामावली तैयार करने, निर्वाचन का संचालन करने निगरानी, नियंत्रण, निर्देशन हेतु निर्वाचन आयोग का कर्तव्य है —

निर्वाचन आयोग को निम्नलिखित कार्य करने पड़ते हैं —

1) निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करना —

परिसीमन आयोग अधिनियम 1952 के प्रावधान के अनुसार प्रत्येक जनगणना के पश्चात निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन किया जावेगा।

2) निर्वाचक नामावली तैयार करना —

लोकसभा तथा विधानसभा के प्रत्येक सामान्य व मध्यावधि चुनाव के पूर्व निर्वाचक नामावली तैयार करना।

3) राजनीतिक दलों को ~~मान्यता~~ मान्यता देना - इस हेतु मानदण्ड निर्धारित करना।

4) राजनीतिक दलों को आरक्षित चुनाव चिन्ह प्रदान करना तथा उससे सम्बंधित विवादो को सुलझाना।

5) निर्वाचन का संचालन करना - राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति संसद तथा राज्य विधानमंडलो के निर्वाचन का संचालन करना।

6) चुनाव में धाँधली, बूथ कैप्चरिंग की दशा में चुनाव को रद्द करना।

7) उपचुनाव कराना - संसद या विधानमण्डलों में स्थान रिक्त होने पर।

8) उम्मीदवार को ~~अयोग्य~~ ठहराना → चुनाव मे व्यय का ब्यौरा न देने पर।

9) राष्ट्रपति या राज्यपाल को सलाह देना - संसद सदस्यो व विधानमंडल के सदस्यो की अयोग्यता सम्बंधी प्रश्न पर।

10) अन्य कार्य -

→ राजनीतिक दलो हेतु आचार संहिता लागू करना।

→ इन्हे आकाशवाणी व दूरदर्शन पर प्रचार की सुविधा प्रदान करना।

→ उम्मीदवारो के चुनाव खर्च को निश्चित करना।

mentioned against the answer. Each question is of 11 marks. All questions are compulsory.

3 3

पू./M = 11

प्राप्तांक

भारतीय संसद ने ~~मानविधिकार~~ मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम, 1993 पारित कर 12 अक्टूबर 1993 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की स्थापना एक सांविधिक निकाय के रूप में की।

इस अधिनियम की धारा-12 में आयोग के कार्यों का उल्लेख है जो इस प्रकार हैं -

1) मानवाधिकार उल्लंघन के मामलों की स्वप्रेरणा से, पीड़ित पक्ष अथवा तीसरे पक्ष की शिकायत पर जाँच करना।

2) मानवाधिकारों से सम्बंधित संवैधानिक प्रावधानों प्रचलित कानूनो व अन्तर्राष्ट्रीय संधियो - समझौतो का अध्ययन व शोध करना तथा सुधार के सुझाव देना।

3) राज्य सरकार की पूर्व अनुमति से किसी कारावास का भ्रमण करना तथा परिस्थितियों का अवलोकन कर अपनी अनुशंसा देना।

4) मानवाधिकार के क्षेत्र में शोध एवं अनुसंधान व जागरूकता का प्रसार - प्रचार करना।

5) मानवाधिकार के उल्लंघन के आरोप से संबंधित किसी न्यायिक कार्यवाही में हस्तक्षेप करना।

6) आयोग आतंकवाद की कार्यवाहियों सहित उन कारकों का पुनर्विलोकन करता है, जो मानवाधिकारों का हनन करते है।

7) मानवाधिकारों के क्षेत्र में संलग्न एन जी ओ को प्रोत्साहित करना।

8) पीड़ित व्यक्ति या उसके परिवार के सदस्यों के लिए ऐसे तात्कालिक अंतरिम राहत देने हेतु संबद्ध सरकार / प्राधिकरण को अनुशंसा कर सकता है।

9) प्रकाशनों, मीडिया, विचार गोष्ठियों और अन्य उपलब्ध साधनों के माध्यमों से समाज के विभिन्न वर्गों में मानवाधिकारों सम्बंधी शिक्षा का प्रचार करना।

10) मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने वाले कार्य करना।

3 4

डॉ. राम मनोहर लोहिया के सामाजिक विचार -

डॉ॰ लोहिया ने भारतीय सामाजिक व्यवस्था पर कड़ा प्रहार किया है। वे हिन्दू होते हुए भी हिन्दू धर्म एवं समाज की मान्यताओं के कट्टर विरोधी थे। इन्होनें धर्म को ईश्वर तथा आत्मा के साथ न जोड़कर, मानव प्राणियों के कल्याण तथा लौकिक समृद्ध के साथ जोड़ा

→ वे जाति एवं वर्ण व्यवस्था को कैंसर के समान मानते थे, जिसने कमजोर, दलितो, व महिलाओं के जीवन को नरक बनाया।

→ समाज की एकता पर बल ⇒ वर्ण या जाति के आधार पर छुआछूत जैसा अमानवीय कृत्य समाज को खण्डित कर रहा है।

→ सामाजिक विषमताओं पर प्रहार -

उनके अनुसार सामाजिक विषमताओं में वर्ण व्यवस्था या जाति प्रथा, नर - नारी असमानता अस्पृश्यता ; रंगभेद - नीति और साम्प्रदायिकता प्रमुख है।

→ उनके अनुसार सामाजिक प्रतिष्ठा का आधार कर्म होना चाहिए न कि जन्म

→ जाति प्रथा को समाप्त करने के लिए अन्तर्जातीय विवाह व सहभोजों को प्रोत्साहित करना चाहिए)

→ ~~अब~~ विशेष अवसर व सामाजिक न्याय का सिद्धान्त → समाज के कमजोर वर्ग को आरक्षण देने की बात कही।

आर्थिक विचार -

भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप विकेन्द्रीकरण पर बल दिया। छोटी मशीनों पर आधारित उद्योग नीति का समर्थन किया। वैज्ञानिकों को छोटी मशीनों के आविष्कार करने की बात कही ताकि अधिक से अधिक लोग उद्यमी बन सकें क्योंकि बड़ी ~~बड़ी~~ मशीनों से बड़े उद्योगपति निर्धनों का शोषण करते हैं परन्तु विद्युत व आधारभूत संरचना में बड़ी मशीनों का समर्थन किया।

3 5

पू./M =11

प्राप्तांक

शक्ति का अर्थ नियंत्रण करने की समता है शक्ति उस विशेष परिस्थिति की धोतक है जिसमें कोई व्यक्ति सामाजिक विरोध की स्थिति में भी अपनी इच्छा एवं आदेशों का अनुपालन करवाने मे सफल हो जाता है। शक्ति व्यक्ति की योग्यता पर निर्भर करती है यह एक नकारात्मक संकल्पना मानी जाती है क्योंकि इसमें बल प्रयोग का तत्व समाविष्ट रहता है शक्ति का दीर्घकालीन अस्तित्व सत्ता पर निर्भर करता है।

शक्ति के चार प्रकार होते है –

1) वैधपूर्ण शक्ति – दायित्वों को पूर्ण करने हेतु प्राप्त औपचारिक शक्ति वैध शक्ति कहलाती है। यह किसी विधान के अधीन प्राप्त होती है।

२) सुविज्ञ शक्ति - वह शक्ति जो व्यक्ति की निपुणता या कौशल के परिणाम स्वरूप प्राप्त होती है।

३) निर्देश्य शक्ति → निर्देश्य शक्ति किसी व्यक्ति द्वारा दूसरे व्यक्तियों को अपनी ओर आकर्षित करने एवं निष्ठा बनाने से उत्पन्न होती है जैसे करिश्माई व्यक्तित्व।

४) अवपीड़क शक्ति → ऐसी शक्ति दण्डित करने की शक्ति कहलाती है।

PART – II

प्रश्न- 01 प्रत्येक अतिलघुउत्तरीय प्रश्न की आदर्श शब्द सीमा 10 शब्द/एक पंक्ति होगी।
प्रत्येक प्रश्न 03 (तीन) अंक का है। सभी प्रश्न अनिवार्य है।

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line.
Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

प्रश्न 1 1

उत्तर सब्सिडी एक प्रकार की वित्तीय सहायता है जो प्रायः सरकार द्वारा किसानों, उद्योगों, उपभोक्ताओं आदि को दी जाती है, जैसे - एलपीजी सब्सिडी।

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न 1 2

उत्तर बैंक के सभी शाखाओं को इंटरनेट के माध्यम से एक दूसरे को जोड़ने की व्यवस्था ही कोर बैंकिंग व्यवस्था कहलाती है।

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न 1 3

उत्तर नाफ्टा अर्थात उत्तर अमेरिकी मुक्त व्यापार समझौता जो 1 जनवरी 1994 को अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको के मध्य हुआ था।

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न 1 4

उत्तर म०प्र० में गेंहू उत्पादन करने वाले जिले - होशंगाबाद (सर्वाधिक), हरदा, सीहोर, पिपरिया, रायसेन, सागर, दमोह, मुरैना, ग्वालियर आदि।

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न 1 5

उत्तर राज्य राजमार्ग -19 (743 किमी) लंबा राज्य राजमार्ग है जो उ.प्र. के जैयपुर से म०प्र० होते हुए नागपुर तक जाता है।

पू./M =03 प्राप्तांक

BS Books

Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

प्रश्न 1 6

उत्तर मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना म.प्र. के असंगठित क्षेत्र के श्रमिको के आर्थिक सशक्तिकरण ~~हेतु~~ और सामाजिक सुरक्षा हेतु 1 अप्रैल 2018 को शुरू की।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1 7

उत्तर वृद्धजन वे है जो 65 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके है या जब व्यक्ति ~~की~~ शारीरिक व मानसिक दृष्टि से कमजोर हो जाता है।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1 8

उत्तर प्राथमिक शिक्षा के अन्तर्गत पूर्व प्राथमिक, प्राथमिक, माध्यमिक, उच्चमाध्यमिक शिक्षा आती है अर्थात कक्षा -10 तक की शिक्षा।

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1 9

उत्तर देश में दिव्यांगजनो के लिए बाधारहित और सुखद अनुकूल वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से 2015 में सुगम्य भारत अभियान चलाया

पू./M =03
प्राप्तांक

प्रश्न 1 10

उत्तर विवेक शील मनुष्यो के लक्ष्यों की प्राप्ति ही पुरुषार्थ है इसमें चार तत्व धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष शामिल है।

पू./M =03
प्राप्तांक

Question- 01 The ideal word limit for each short answer question will be 10 words / one line. Each question is of 03 marks. All questions are compulsory.

प्रश्न 1 11

उत्तर अप्रूवल मेरिज वह विवाह है जिसमे लड़का और लड़की के दोनो पक्षों में विवाह को लेकर रजामंदी हो।

प्रश्न 1 12

उत्तर प्रसार शिक्षा किसी क्षेत्र विशेष के लोगों को उनकी समस्यों के बारे में जागरूक करना व उनका समाधान करने में सक्षम बनाना है।

प्रश्न 1 13

उत्तर भील जनजाति की उपजनजातियाँ - पिछेलाला, बरेला, पटल्या, रावल भील आदि।

प्रश्न 1 14

उत्तर पूरक पोषण से आशय मुख्य पोषण के अलावा लिया जाने वाला पोषण जिसमें विटामिन, खनिज, जड़ी-बूटिया, अमीना अम्ल आदि आते है।

प्रश्न 1 15

उत्तर कोविड-19 का पूरा नाम कोरोन वाइरस डिसीज़ - 2019 है। यह सार्स परिवार का वाइरस है जो वर्तमान कोरोना महामारी का कारण है

पू./M =03 प्राप्तांक

प्रश्न 2.1

उत्तर मौद्रिक नीति से अभिप्राय किसी भी राष्ट्र के केन्द्रीय बैंक (भारत में आरबीआई) द्वारा विभिन्न उपकरणों के उपयोग से मुद्रा और ऋण की उपलब्धता पर नियंत्रण स्थापित करना है।

मौद्रिक नीति

उद्देश्य	उपकरण
1) विनिमय / मूल्य स्थिरता	1. CRR
2) विनिमय दर में स्थायित्व	2. SLR
3) रोजगार सृजन	3. रेपो दर
4) विकास	4. रिवर्स रेपो दर आदि।

प्रश्न 2.2

उत्तर राजकोषीय नीति सरकार की आर्थिक नीति का एक प्रमुख घटक है। इसका निर्माण तथा क्रियान्वयन वित्त मंत्रालय द्वारा बजट के माध्यम से किया जाता है

उद्देश्य	उपकरण
1. संसाधनों की गतिशीलता	1. कर एवं कराधान
2. सामाजिक न्याय	2. सार्वजनिक व्यय
3. मूल्य स्थिरता	3. सार्वजनिक ऋण
4. पूर्ण रोजगार सृजन	4. बजटीय नीति
5. भुगतान संतुलन एवं संतुलित विकास	5. निवेश एवं विनिवेश नीतियाँ

2.3

पू./M =05

प्राप्तांक

म.प्र. एक स्थल बद्ध राज्य है अतः यहाँ तीन प्रकार की परिवहन सेवायें प्रचलित है –

1) सड़क परिवहन – राज्य में 22 राष्ट्रीयराजमार्ग गुजरते है (लम्बाई – 5140 km) तथा 53 प्रान्तीय राजमार्ग है।

2) रेल परिवहन – राज्य मे 3 रेलवे डिविजन जबलपुर, भोपाल व कोटा है। कुल रेलमार्गो की लम्बाई 4903 किमी है।

3) वायु परिवहन – म.प्र. कुल 26 हवाई पट्टिया है तथा दो (इंदौर व भोपाल) अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे है।

2.4

पू./M =05

प्राप्तांक

म.प्र. भारत का सर्वाधिक गौवंश वाला राज्य है। वर्ष 2019 की पशु संगणना के अनुसार राज्य में 4.06 करोड़ पशुधन है। राज्य में दुग्ध उत्पादन हेतु गाय, भैंस, बकरी आदि का पालन तथा भारसाधक के रूप मे बैल व भैंसा पालन होता है मांस के लिए बकरा-बकरी, मुर्गी, मछली आदि का पालन होता है।

राज्य मे नर्मदा, चम्बल, तवा, बरगी, सोन आदि नदियों पर निर्मित बांधो तथा तालाबो व झीलों में (कुल **3.49** लाख हेक्. जलक्षेत्र) मत्स्य पालन होता है। इंदिरा सागर डेम मे सर्वाधिक मत्स्यपालन होता है।

प्रश्न 2 5

उत्तर चिकित्सा वह प्रक्रिया है जिसमे बीमारी की रोकथाम व उपचार द्वारा स्वास्थ्य के उच्च स्तर को बनाये रखने तथा पूर्ण स्वास्थ्य की स्थिति बनाने के लिए विकसित विभिन्न स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों को शामिल किया जाता है, तथा तत्सम्बंधित शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था चिकित्सा शिक्षा कहलाती है। विस्तृत रूप में चिकित्सा शिक्षा में चिकित्सकों के शिक्षण व प्रशिक्षण, दवाइयों तथा चिकित्सा उपकरणों के निर्माण तथा तत्सम्बधी कार्यों को शामिल किया जाता है।

प्रश्न 2.6

उत्तर भारत में प्रारंभिक शिक्षा के चार स्तर मौजूद है जिसमें ① पूर्व प्राथमिक (आंगनबाड़ी, एलकेजी व यूकेजी कक्षा आती है), ② प्राथमिक जिसमे कक्षा 1 से 5 तक की शिक्षा दी जाती है मुख्यतः इसमे भाषा शिक्षण पर बल दिया जाता है। ③ माध्यमिक शिक्षा इसमे कक्षा 6 से 8 तक की शिक्षा दी जाती है जो विषय परिचय से संबंधित होती है। ④ उच्च माध्यमिक इसमे कक्षा 9 व 10 आती है इसमें विषयगत सिद्धान्त सिखाये जाते है। भारत मे प्रारंभिक शिक्षा का संचालन CBSC तथा राज्यो के शिक्षा बोर्ड करते है।

प्रश्न 2.7

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर समूह मे साथ-साथ जीवन व्यतीत करने के लिए कुछ नियम, विधान बनाए गये है जो उस समूह के व्यक्ति के व्यवहारों तथा क्रियाओं को निर्देशित करते है जब यह व्यवहार एवं क्रियायें आचरण मे परिणित होती है, तब उस समूह की संस्कृति कही जाती है।

जार्ज पीटर के अनुसार - किसी समाज के सदस्यों की उन आदतों से संस्कृति बनती है जिनमें वह भागीदार हो, चाहे वह जनजातीय समाज हो या सभ्य समाज। संस्कृति एकत्रित की गई आदतों की प्रणाली है।

प्रश्न 2.8

पू./M =05

प्राप्तांक

उत्तर वर्णव्यवस्था भारतीय हिंदू समाज की प्रमुख विशेषता रही है इसके गुण व दोष को निम्नलिखित रूप मे समझ सकते है।

गुण	दोष
1) श्रम विभाजन	1) श्रम एकाधिकार
2) कार्य विशेषीकरण	2) वर्ण परिवर्तन असम्भव
3) सामाजिक व्यवस्था बनी	3) समाज मे भेदभाव का जन्म
4) संघर्ष का अंत	4) वर्ण श्रेष्ठता की भावना जाग्रत होना
5) कर्म को प्रधानता	5) निचले वर्ण का शोषण
6) अधिकार/कर्तव्यो की व्याख्या	

प्रश्न 2.9

उत्तर सामुदायिक विकास सम्पूर्ण समुदाय के चतुर्दिक विकास की ऐसी पद्धति है जिसमें जन सहयोग से समुदाय के जीवन स्तर को ऊँचा उठाने का प्रयास किया जाता है।

भारत मे सामुदायिक विकास कार्यक्रम की शुरुआत 2 अक्टूबर 1952 को ~~हुई~~ हुई था इसके चार मूल्य है - सामाजिक न्याय, सहभागिता, समानता तथा सहयोग।
यह कार्यक्रम अपने उद्देश्यों व लक्ष्यों मे जनसहभागिता की ~~कमी~~ कमी के कारण असफल रहा।

प्रश्न 2.10

उत्तर म॰प्र॰ की दूसरी एवं भारत की सबसे बड़ी जनजाति गोंड म॰प्र॰ मे मुख्य रूप से नर्मदा नदी के दोनो ओर निवास करती है। गोंड जनजाति की संस्कृति अद्भुत है। ये झूम खेती (बारी खेती) करते। इनमे दूधलोटावा नामक विवाह पद्धति का प्रचलन है, इनके प्रमुख देवता बारादेव और नारायण देव है।
इनके प्रमुख त्योहार - लारूकाज, मड़ई, छेरता, नवाखानी, हरदिली, बिदरी आदि है।
लोकनृत्य - सैला, करमा, सुआ, भड़ौनी आदि है।
प्रो॰ श्यामाचरण दुबे ने इनकी सामाजिक संस्कृति अध्ययन किया है।

BOOKS

...long answer question would be 200 words. Each question also has internal choice. The internal option for which the candidate is answering should be mentioned against the answer. Each question is of 11 marks. All questions are compulsory.

3 1

पू./M =11

प्राप्तांक

लोक वितरण प्रणाली लोगों तक खाद्यान्न पहुँच सुनिश्चित करने का माध्यम है इसमे उचित मूल्य व पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न व आवश्यक सामाग्री उपलब्ध करायी जाती है इस प्रणाली से बाजार में खाद्यान्न की कीमतो पर भी नियंत्रण रखा जाता है तथा कालाबाजारी व जमाखोरी पर भी लगाम लगती है।

भारत में पीडीएस व्यवस्था की समस्याऐं -

→ समुचित मात्रा में खाद्यान्न अनुपलब्धता।
→ परिवहन व भण्डारण की समस्या।
→ रिसाव व भ्रष्टाचार की समस्या।
→ खाद्यान्न का सही गुणवत्ता का न होना।
→ यह प्रणाली दक्षिण भारतीय राज्यों में अधिक सफल रही है। उत्तर भारत के राज्यो में इसकी सफलता 50% रही है।

...(In-front of i-bus stop)

Question- 04 The ideal word limit for a direct long ... also has internal choice. The internal option for which the candidate is answering should be mentioned against the answer. Each question is of 11 marks. All questions are compulsory.

पीडी एस के पुनर्गठन हेतु सरकारी प्रयास –

1) नवीनीकृत सार्वजनिक वितरण प्रणाली (RPDS) - 1992
इसके तहत देश के सर्वाधिक पिछड़े क्षेत्र के लोगों को 50 रू / क्विंटल गेंहू, चावल की आपूर्ति की जायेगी।

2) लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (TPDS) -
इसके तहत BPL परिवारों को सब्सिडी युक्त खाद्यान्न उपलब्धता सुनिश्चित की गई।

3) अन्त्योदय अन्न योजना (AAY) - 2001
इसमें अत्यंत निर्धन परिवारों को प्रतिमाह 25 kg (वर्तमान मे 35 kg) खाद्यान्न ₹2 / kg गेंहू तथा ₹ 3 / kg चावल) उपलब्ध कराया जायेगा।

4) पीडीएस व्यवस्था में वर्ष 2003 से DBT अपनाया गया।

5) 2019 में एक देश - एक राशन कार्ड योजना लागू।

➡ पीडीएस को प्रभावी बनाने हेतु सुझाव / उपाये –

→ उचित हितग्राही की पहचान, IT का प्रयोग
→ प्रवासी श्रमिको हेतु रोमिंग राशन कार्ड
→ NGO, सहकारी समितीयो को शामिल करना। (आदि)

...for a direct long answer question would be 200 words. Each question also has internal choice. The internal option for which the candidate is answering should be mentioned against the answer. Each question is of 11 marks. All questions are compulsory.

3 2

पू./M =11

प्राप्तांक

म.प्र० में कृषकों के कल्याण हेतु तथा कृषि उत्पादन में वृद्धि करने के उद्देश्य से राज्य में अनेक योजनायें संचालित हैं जिनमें से कुछ योजनाओं की जानकारी निम्नवत हैं -

योजना का नाम	प्रारंभ वर्ष	विवरण / उद्देश्य
1) मु.मं. मजदूर सुरक्षा योजना	2007	खेतिहर कृषकों को बीमा प्रदान कर सुरक्षा प्रदान करना।
2) सीएम किसान योजना	2020	कृषकों के आर्थिक सशक्तिकरण हेतु प्रतिवर्ष चार हजार रुपये दिये जायेंगे।
3) भूमि शिल्प योजना	2010	मनरेगा के तहत खेतों में मेड़बंधान करना।

...bus stop)

4) मु.मं. कृषक जीवन कल्याण योजना	2008	प्रदेश के कृषि क्षेत्र में संलग्न लोगों को दुर्घटना होने पर आर्थिक सहयोग प्रदान करना।
5) मु.मं. किसान समृद्धि योजना	2018	प्रमुख फसलों की उत्पादकता बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन राशि देना
6) जय किसान फसल कर्जमाफी योजना	2019	कृषकों के 200,000 तक के कृषिऋण को माफ करना।
7) म.प्र. किसान अनुदान योजना	2021	राज्य के किसानो को कृषि उपकरण खरीद पर सब्सिडी देना
8) भावांतर योजना	2017	फसलो के भाव का अंतर का भुगतान करना
9) जैविक कृषि प्रोत्साहन योजना	2011	जैविक कृषि के विस्तार हेतु प्रोत्साहन राशि देना।
10) खेत तालाब योजना	2007	कृषि के समग्र विकास के लिए सतही तथा भूमिगत जल की उपलब्धता बढ़ाना।

3 3.

पू./M = 11

प्राप्तांक

दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम - 2016 में निःशक्त जनों के लिए दिव्यांग शब्द प्रयोग किया गया है।

अधिनियम की धारा 2(ध) के अनुसार –
"ऐसी दीर्घकालिक शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक व संवेदी हानि वाला व्यक्ति अभिप्रेत है जिसे समाज में सामान्य जन के समान पूर्ण एवं प्रभावी भागीदारी में बाधा उत्पन्न होती हो" वह दिव्यांग है।

WHO की एक रिपोर्ट के अनुसार विश्व में 10% लोग किसी न किसी रूप मे निःशक्तता से ग्रसित है। 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में 2.21 प्रतिशत लोग किसी न किसी प्रकार की निःशक्तता से पीडित है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में दिव्यांगता की श्रेणीयों को 7 से बढ़ाकर 21 कर दिया है।

भारत में दिव्यांगजनों के कल्याण व समृद्धि व सशक्तिकरण हेतु कई योजनाऐं संचालित है जिनमें से कुछ का विवरण इस प्रकार है -

1) सुगम्य भारत अभियान - (2015) दिव्यांगजनो के लिए देश में बाधारहित और सुखद अनुकूल वातावरण तैयार करना।

2) सुगम्य पुस्तकालय - 2016 में दिव्यांगजनो के लिए इंटरनेट के माध्यम से पुस्तकालय से सम्बद्ध सभी प्रकार की उपयोगी पुस्तको को पढ़ सके।

3) दिव्यांग स्वावलंबन योजना - दिव्यांगजनो के सशक्तिकरण हेतु उन्हे प्रशिक्षण देन व कौशल प्रदान करना।

4) यूडी आईडी कार्ड - दिव्यांग प्रमाणपत्र की प्रमाणिकता सुनिश्चित कर कई लाभांवित योजनाओ का लाभ देना।

5) निःशक्त जन विवाह प्रोत्साहन योजना।
6) निःशुल्क शिक्षा व छात्रवृत्ति योजना।
7) दीनदयाल विकलांग पुनर्वास योजना।

... 11 (ग्यारह) अंकों का है। ... उल्लेख उत्तर के समक्ष अनिवार्य करें। ... अनिवार्य भी है।

Question- 03 The ideal word limit for a direct long answer question would be 200 words. Each question also has internal choice. The internal option for which the candidate is answering should be mentioned against the answer. Each question is of 11 marks. All questions are compulsory.

3 4

पू./M =11

प्राप्तांक

वर्णव्यवस्था हिंदू सामाजिक व्यवस्था की एक अनूठी विशेषता रही है। इसके अन्तर्गत समाज का स्तरीकरण किया गया है और प्रत्येक स्तर के कुछ कर्तव्य निर्धारित किये गये है जिससे समाज मे सम्बंध स्थापित किया जा सके।

– वर्णव्यवस्था की उत्पत्ति के सिद्धान्त –

(1) दैवीय उत्पत्ति का सिद्धान्त – प्राचीन हिंदू धर्म शास्त्रो के अनुसार इसकी उत्पत्ति ईश्वर द्वारा की गई है। ऋग्वेद के पुरुष सुक्त के अनुसार "वर्णो की उत्पत्ति एक विराट पुरुष अर्थात ब्रम्ह के विभिन्न अंगों से हुई है।

(2) गुण द्वारा उत्पत्ति का सिद्धान्त → व्यक्ति अपने गुणो के आधार पर (सत्व, तमस, रजस) अपने वर्ण मे जन्म लेता है।

3) रंग द्वारा उत्पत्ति का सिद्धान्त – यहाँ वर्ण का रंग से लिया गया है इस आधार पर ब्राम्हण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र के लिए क्रमशः सफेद, लाल, पीला और काला रंग स्वीकारा है

(4) कर्म का सिद्धान्त – ब्राम्हण पुराण मे लिखा है कि पूर्व जन्म के कर्म वर्ण का निर्धारण करते है।

5) जन्म द्वारा उत्पत्ति का सिद्धान्त → जो जिस वर्ण मे जन्म लेता वह मृत्युपर्यन्त उसी वर्ण मे रहता है।

चारो वर्णो के कर्तव्य व धर्म

ब्राम्हण – (गुणवान व श्रेष्ठ) → वेद पढ़ाना व पढ़ना → यज्ञ करना व करवाना → दान देना व लेना	क्षत्रिय → गीतानुसार शूरता, तेज, निपुणता युद्ध मे विमुख न होना, स्वाभिमानी, दानशीलता धर्म – रक्षा करना
वैश्य – व्यापार करना समाज का पालन पोषण करना, कर्तव्य → अध्ययन यजन व दान।	शूद्र – समाज के तीनो वर्णों की सेवा करना

...answer question would be 200 words. Each question also has internal choice. The internal option for which the candidate is answering should be mentioned against the answer. Each question is of 11 marks. All questions are compulsory.

3 ~~4~~ 5

पू/M =11

प्राप्तांक

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की स्थापना 7 अप्रैल 1948 को वैश्विक स्वास्थ्य संगठन के रूप में हुई थी। इसका मुख्यालय जेनेवा मे है तथा क्षेत्रीय कार्यालय अलेक्जेंड्रिया ब्राजिविल्ले, वॉशिंगटन डीसी, कोपेनहेगेन, नई दिल्ली तथा मनीला हैं।

इसके तीन प्रमुख घटक है -

- महासभा
- प्रबंधकबोर्ड
- सचिवालय

उद्देश्य -

① स्वास्थ्य के क्षेत्र में विभिन्न देशो के मध्य सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मंच प्रदान करना।

② स्वास्थ्य, बीमारीयो आदि से सम्बंधित आंकडे एकत्रित, विश्लेषण व प्रकाशित करना।

③ गरीब देशों मे स्वास्थ्य कार्यक्रम चलाना व तकनीक, दवाइयो की आपूर्ति ~~व्यवस्था~~ को सुनिश्चित करना। आदि।

कार्य -

① किसी बिमारी को क्षेत्रीय, बिमारी, महामारी घोषित करना तथा चेतावनी जारी करना।

② स्वास्थ्य संबंधी दिशा - निर्देश जारी करना

③ स्वास्थ्य के क्षेत्र मे सर्वेक्षण तथा आंकड़ो का प्रकाशन करना। आदि।

चुनौतियाँ ① स्टॉफ की कमी।

② निर्णय बाध्यकारी न होना

③ तकनीकी कुशलता, व विशेषज्ञता का अभाव।

④ विकासशील, विकसित तथा अल्पविकसित देशो के विवादों के समुचित निवारण न होना।

⑤ वित्त का अभाव। आदि।

भारत और डब्ल्यू एच ओ -

भारत WHO का संस्थापक सदस्य रहा है। WHO द्वारा भारत में कई स्वास्थ्य कार्यक्रम (पोलियो आदि) संचालित किये गये।